Roll No. ..... Total Pages: 04

5171

M.A. (FINAL) EXAMINATION, 2019

SANSKRIT

Paper – I

KAVYA SANSKRIT MULAK SANSKRATI AVAM NIBANDH

Time: Three Hours
Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

प्र.1 सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

(i) ''शिवराजविजय'' के लेखक का नाम लिखिये।

(ii) योगीराज ने सर्वप्रथम किसके समय में समाधि लगाई थी?

(iii) ''प्रकृत्या मितभाषिणः'' किसे कहा गया है?

(iv) शिशुपालवध में प्रतिनायक कौन हैं?

(v) भारतीय संस्कृति की कोई एक विशेषता लिखिये।

(vi) किन्हीं दो प्रमुख संस्कारों के नाम लिखिये।

(vii) भारतीय संस्कृति के महत्व पर एक वाक्य संस्कृत में लिखिये।

(viii) बृहत्त्रयी के एक कवि व उनकी रचना का नाम लिखिये।

(ix) संस्कृत साहित्य में पदलालित्य के लिए प्रसिद्ध कौन हैं?

(x) संस्कृत साहित्य के उपजीव्य काव्य का नाम लिखिये।

खण्ड– ब

इकाई – I

प्र.2 निम्नलिखित गद्यांश का सप्रसंग हिन्दी अनुवाद कीजिये –

भगवन्! श्रूयताम् यदि कुतूहलम्। ह्यः सम्पादितसायन्तनकृत्ये, अत्रैव कुशास्तरणमधितिष्ठते मयि परितः समासीनेषु छात्रवर्गेषु धीरसमीरस्पर्शेन मन्दमन्दमान्दोल्यमानासु व्रततिषु समुदिते यामिनीकामिनी चन्दनबिन्दौ इव इन्दौ, कौमुदीकपटेन, सुधाधारामिव वर्षति गगने, अस्मन्नीतिवार्ता शुश्रूषुषु इव मौनमाकलयत्सु पतङ्गकुलेषु, कैरवविकासहर्षप्रकाशमुखरेषु चञ्चरीकेषु, अस्पष्टाक्षरम्, कम्पमाननिःश्वासम्, श्लथत्कण्ठम्, घर्घरितस्वनम्, चीत्कारमात्रम्, दीनतामयम्, अत्यवधानश्रव्यत्वादनुमितदविष्ठतम क्रन्दनमश्रौषम्।

अथवा

ततः संवृत्ते किञ्चिदन्धकारे धूप–धूमेनेव व्याप्तासुहरित्सु भुशुण्डी स्कन्धे निधाय निपुणं निरीक्षमाणः, आगत प्रत्यागतञ्च विदधानः, प्रताप–दुर्ग–दौवारिकः, कस्यापि पादक्षेपध्वनिमिवाऽश्रौषीत्। ततः स्थिरीभूय पुरतः पश्यन् सत्यपि, दीपप्रकाशेऽवतमसवशादागन्तारं कमप्यनवलोकयन्, गम्भीरस्वरेणैवमवादीत् – ''कः कोऽत्र भोः'' इति।

इकाई – II

प्र.3 निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये –

उत्तिष्ठमानस्तु परो नोपेक्ष्यः पथ्यमिच्छता।

समौ हि शिष्टैराम्नातौ वत्स्यन्तावामयः स च।।

अथवा

विधाय वैरं सामर्षे नरौऽरौ य उदासते।

प्रक्षिप्योदर्चिषं कक्षे शेरते तेऽभि मारुतम्।।

इकाई – III

प्र.4 रामायणकालीन सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डालिये।

अथवा

भारतीय संस्कृति की विशेषताओं पर लेख लिखिये।

इकाई – IV

प्र.5 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिये –

(i) मम प्रियकविः।

(ii) काव्यस्यात्मा ध्वनिः।

(iii) वेदानां महत्वम्।

(iv) योगः कर्मसु कौशलम्।

(v) भारतीय संस्कृतेः महत्वम्।

इकाई – V

प्र.6 भवभूति के ''उत्तररामचरितम्'' पर प्रकाश डालिये।

अथवा

''उपमा कालिदासस्य'' कथन की समीक्षा कीजिये।

खण्ड– स

प्र.7 शिवराजविजय के प्रथम विराम की कथा का सार लिखिये।

प्र.8 महाकवि माघ की भाषा–शैली पर प्रकाश डालिये।

प्र.9 भारतीय संस्कृति की वर्ण–व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डालिये।

प्र.10 वर्तमान युग में संस्कृत भाषा की उपयोगिता पर संस्कृत में लेख लिखिये।

प्र.11 संस्कृत के प्रमुख महाकाव्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।